हिन्दी साहित्य

GE- 3

शास्त्री द्वितीय वर्ष, तृतीय सत्रार्द्ध

चतुर्थ प्रश्न-पत्र

लिखित परीक्षा- 60 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-40 अंक

पूर्णांक-100 अंक

प्रश्न-पत्र- रीतिकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्य

कुल-4 क्रेडिट

2 क्रेडिट

खण्ड (क)

(1)

- रीतिकाल
- नामकरण
- सीमांकन
- परिस्थितियां
- रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(2)

रीतिकाल के प्रमुख कवि- चिंतामणि, केशवदास, पद्माकर, मतिराम, भूषण, सेनापति, विहारी, देव, वृन्द, घनानंद, आलम, ठाकुर, बोधा, द्विजदेव

- रीतिकाल की उपलब्धियां एवं सीमाएँ

2 क्रेडिट

खण्ड (ख)

(3)

1. बिहारी

बिहारी रत्नाकर, सम्पादकः जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

1. मेरी भव बाधा हरौ.... हरित-दुति होइ।।
2. अजौं मरयौना ही रह्यौं....मुकुतन कै संग।।
3. कब कौ टेरतु दीन रट....जगबाइ।।

अर्चना दुबे

4. मरनु भलौ बरू बिरह तें....दुहूँ दुख होइ।।
5. घरु घरु डोलत दीन है....बड़ौ लखाइ।।
6. बड़े न हूजै गुननु बिनु....गढ़्यौ न जाइ।।
7. नर की अरु नल-नीर की....तेतौ ऊंचा होइ।।
8. दुसह दुराज प्रजानु कौं....रबि चंदु।।
9. दृग उरझत टूटत कुटुम.....नई यह रीति।।
10. इन दुखिया अँखियानु कौ.....अनदेखैं अकुलाँहि।।

2. घनानंदः कवित्त एवं सवैये

घनानंद ग्रथावली, सम्पादकः विश्वनाथप्रसाद मिश्र

1. मीत सुजान अनीति करौ .... प्यासनि मारत मोही।। छंद-7, पृ.-6
2. पोतम सुजान मेरे हित...... कौ घन बरसायहौ।।- छंद-24, पृ.-9-10
3. पहले अपनाय सुजान सनेह .... यौं विष छोरियै जू।। छंद-38, पृ.-14
4. रावरे रूप की रीति अनूप........रीझ के हाथनि हारियै।। छंद-41, पृ.-15
5. जीवन हौ जिय की गति जानत जान..... हाय अनीति सु दीठि छिपैये।। छंद-189, पृ.-61

(4)

3. भूषण

भूषण ग्रंथावली- सम्पादकः आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र,
'शिवभूषण'- (39,45,48,50,59)

1. तो सम हो सेस सो तो बसत...... बातैं चित चुनियै। (39)
2. यौं सिवराज कौ राज.... न कछु है। (45)
3. तेरौ तेज सरजा समत्थ दिनकर .... तेरे कर सौं। (48)
4. इंद्र जिम जंभ पर वाड़ब ज्यौं अंभ पर ..... सेर सिवराज है। (50)
5. सिंहथरी जाने बिन जावली-जँगल भटी हठी...... आँकुसको सटक्यौ। (59)

4. वृन्द

हिन्दी काव्य गंगा (प्रथम भाग) सम्पादकः सुधाकर पाण्डेय

1. जाहीं ते कछु .... कैसे बुझत पियास छंद सं. (3)
2. कैसे निबहै निबल...........मगर सों बैर (5)
3. अपनी पहुँच विचारि .... जेती लंबी सौर (7)
4. विद्या धन उद्यम बिना......... पंखा की पौन (8)

अर्चना दुबे

5. ओछे नर की ..... घटत घट जाय।(9)
6. नयना देत बताय..... बुरी कहि देत (15)
7. दुष्ट न छाँड़े दुष्टता ..... होत न सेत (22)
8. जैसे बंधन प्रेम को..... न निकरै भौंर (24)
9. जुवा खेले होतु है..... पाँडव किय बनवास (39)
10. सरस्वती के भंडार को ..... बिन खरचे घटिजात (40)

सहायक ग्रंथ-

1. बिहारी रत्नाकर- सम्पादक: जगन्नाथ दास रत्नाकर।
2. घनानंद ग्रन्थावली- सम्पादक: आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र संस्करण-2009 वि.
3. भूषण ग्रंथावली- सम्पादक: आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाश, नयी दिल्ली, संस्करण-2012
4. हिन्दी काव्य गंगा (प्रथम भाग)- सम्पादक: सुधाकर पाण्डेय, नागरी पचारिणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण-1990
5. रीतिकाव्य की भूमिका- डॉ. नगेन्द्र।

9

अर्चना दुबे

Scanned with CamScanner